हरियाणा ने PM कुसुम के तहत 24,484 सौर जल पंपों के लिये विजेताओं की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (HAREDA) ने** प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना (PM कुसुम) के घटक B के हिस्से के रूप में **24,484 सौर जल पंपिंग सिस्टम के प्रावधान, स्थापना और कमीशनिंग** के लिये अनुबंध दिये हैं।

मुख्य बिंदु:

- **PM कुसुम का घटक B** कृषि सिंचाई उद्देश्यों के लिये **दो मिलियन स्वतंत्र सौर जल पंपों की स्थापना** पर केंद्रित है।
- **यह परियोजना** व्यक्तिगत किसानों, जल उपयोगकर्त्ता संघों, पशु आश्रयों, **किसान-उत्पादक संगठनों, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों** और समुदाय-आधारित सिंचाई प्रणालियों जैसे कई लाभार्थियों को लक्षित करती है।

PM कुसुम क्या है?

- **परिचय:**
  - PM-कुसुम भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य**सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देकर** कृषि क्षेत्र **में बदलाव लाना है।**
  - यह मांग-संचालित दृष्टिकोण पर कार्य करती है। **विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (UT) से प्राप्त मांगों के** आधार पर क्षमताओं का आवंटन किया जाता है।
  - विभिन्न घटकों और वित्तीय सहायता के माध्यम से PM-कुसुम का लक्ष्य**31 मार्च, 2026 तक 30.8 गीगावाट की महत्त्वपूर्ण सौर ऊर्जा क्षमता** वृद्धि हासिल करना है।
- **PM-कुसुम का उद्देश्य:**
  - **कृषि क्षेत्र का डी-डिजिटिलाइज़ेशन:** इस योजना का उद्देश्य **सौर ऊर्जा संचालित पंपों** और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करके सिंचाई के लिये **डीज़ल पर निर्भरता को कम करना है**। इसका उद्देश्य **सौर पंपों के उपयोग के माध्यम से सिंचाई लागत को कम करके** और उन्हें ग्रिड को अधिशेष सौर ऊर्जा बेचने में सक्षम बनाकर किसानों की आय में वृद्धि करना है।
  - **किसानों के लिये जल और ऊर्जा सुरक्षा:** सौर पंपों तक पहुँच प्रदान करके तथा **सौर-आधारित सामुदायिक सिंचाई परियोजनाओं** को बढ़ावा देकर, इस योजना का उद्देश्य किसानों के लिये जल एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है।
  - **पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश:** स्वच्छ और नवीकरणीय सौर ऊर्जा को अपनाकर इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के कारण होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है।
- **घटक:**
  - **घटक-A:** किसानों की बंजर/परती/चरागाह/दलदली/कृषि योग्य भूमि पर 10,000 मेगावाट के**विकेंद्रीकृत ग्राउंड/स्टिल्ट माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।**
  - **घटक-B:** ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में 20 लाख स्टैंड-अलोन सौर पंपों की स्थापना।
  - **घटक-C:** 15 लाख **ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों** का सोलराइज़ेशन: व्यक्तिगत पंप सोलराइज़ेशन और फीडर लेवल सोलराइज़ेशन।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryana-declares-winners-for-24,484-solar-water-pumps-under-pm-kusum